सूखा जीवामृत या अमृतमिट्टी

आवश्यक सामग्री: गोबर–10 किलो, गोमूत्र–5 लीटर, गुड़–1 किलो, दलहनी आटा–1 किलो, बड़ के पेड़ के नीचे की मिट्टी–3 किलो

तैयार करने की विधि:

1. सर्वप्रथम गोबर व गोमूत्र को ठीकसे मिलाकर एकसार करलें।
2. गुड़ व दलहनी आटा उसमे धीरे धीरे मिलाकर फिरसे एक समान कर लें।
3. अब इसमे बड़ के नीचे की 2 किलो मिट्टी मे मिलालें।
4. मिश्रण को तीन दिनो के लिये ढक कर रखदें।
5. चोथे दिन के पश्चात् इस मिश्रण को छाया मे सूखा लें।
6. अच्छे से सूखने पर इसे पटिये से कूट कर बारिक करलें व बोरी मे भरलें व छाया मे रखे।

उपयोग की विधि:

सूखा जीवामृत पाउडर को बुवाई के पूर्व नमीयुक्त जमीन मे भलीभांती छिड़काव करें (1 एकड़ मे 1 क्विंटल सूखा जीवामृत एक क्विंटल वर्मीकम्पोस्ट के साथ मिलाकर प्रयोग करने से लाभ मे वृद्धि होती है।)

लाभ:

- जीवामृत मे पाये जाने वाले जीव नमी पाकर सक्रिय हो जाते हैं, व अपनी प्रक्रियाओं द्वारा पोषक तत्वों की पूर्ति करते हैं।
- नाडेप या वर्मीकम्पोष्ट विधियों के मुकाबले मे कम मात्रा मे गोबर, गोमूत्र की आवश्यकता होती है।
- यह खाद अत्यन्त ही कम समय मे तैयार हो जाता हे, व मेहनत भी कम लगती है।
- समय समय पर थोड़ी-थोड़ी मात्रा मे इसे तैयार करके रखा जा सकता है।